दि. 22 अगस्त 2022

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के राजभाषा कक्ष एवं
हिंदी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला

प्रयोजनमूलक हिंदी

(कार्यालयी हिंदी एवं प्रशासनिक अनुवाद के विशेष संदर्भ में)

स्लाईड-शो प्रस्तुतीकरण

दि. 22 अगस्त 2022

'कंठस्थ' में कार्य करना बहुत आसान, करके तो देखिए - डॉ वेदप्रकाश

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के राजभाषा कक्ष एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में दि. 22 अगस्त 2022 आयोजित एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का विषय 'प्रयोजनमूलक हिंदी (कार्यालयी हिंदी एवं प्रशासनिक अनुवाद के विशेष संदर्भ में) था। विशेष रूपसे इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के प्रशासन एवं स्थापना अनुभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीवृंद सम्मिलित हुए थे।

'व

हिंदी कार्यशाला के मुख्य वक्ता हिंदी भाषा तज्ञ, रचनाकार, विचारक एवं हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.वेदप्रकाश बोरकर थे। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ.वेदप्रकाश ने अपने स्लाईड-शो प्रस्तुतीकरण में कहा कि अनुच्छेद -351 के नुसार, भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहां उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए हिंदी की समृद्धि सुनिश्चित की जानी है।

विशेषतः प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रशासनिक शब्दावली की लिखित सामग्री प्रदान की गई। डॉ.वेदप्रकाश ने कार्यशाला में ई-अनुवाद की दिशाएँ एवं संभावनाएँ, हिंदी की वर्तनी और देवनागरी लिपि का मानकीकरण, हिंदी में उपलब्ध महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर विस्तृत प्रकाश डाला।

रा.स[illegible] में

साथ ही गूगल वाईस टाइपिंग एवं अनुवाद टूल, यूनिकोड का प्रयोग, कार्यालयीन महत्त्वपूर्ण वाक्यांश अंग्रेजी से हिंदी, पत्र व्यववहार में प्रयोग होने वाले कुछ वाक्यांश हिंदी-अंग्रेजी, कार्यालय में अधिकांशतः प्रयोग होने वाले वाक्यांश तथा नेमी टिप्पणियों आदि बिंदुओं पर सम्यक् प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों में- जे.वेंकट साई आदित्य, सी.वी.पुरुषोत्तमा राव, एम.उषा, ये विनय सिंह, ये.विकास सिंह उपस्थित थे।